पल्लव समाज:

1. राजवंशीय उत्पत्ति:
   - पल्लव राजवंश ने दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया, मुख्य रूप से वर्तमान तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश क्षेत्रों में।
   - ऐसा माना जाता है कि उनकी उत्पत्ति सातवाहनों के सामंत के रूप में हुई थी और बाद में उन्होंने अपना स्वतंत्र शासन स्थापित किया।
2. सामाजिक संरचना:
   - पल्लव समाज, अन्य प्राचीन भारतीय समाजों की तरह, विभिन्न सामाजिक और व्यावसायिक समूहों में विभाजित होने के साथ, पदानुक्रमित था।
   - ब्राह्मणों का महत्वपूर्ण प्रभाव था और उन्होंने धार्मिक और बौद्धिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
3. आर्थिक क्रियाकलाप:
   - पल्लव साम्राज्य में लोगों का प्राथमिक व्यवसाय कृषि था।
   - व्यापार और वाणिज्य फला-फूला, मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) जैसे बंदरगाह महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में काम कर रहे थे।
4. धर्म और संरक्षण:
   - पल्लव हिंदू धर्म के कट्टर समर्थक थे।
   - उन्होंने हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों को संरक्षण प्रदान किया, जिससे मंदिर वास्तुकला के विकास को बढ़ावा मिला।

पल्लव वास्तुकला:

1. द्रविड़ वास्तुकला:
   - पल्लव द्रविड़ मंदिर वास्तुकला में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं।
   - उनके मंदिरों की विशेषता पिरामिड के आकार के टॉवर (विमान), अलंकृत मूर्तियां और विस्तृत नक्काशी जैसी विशिष्ट विशेषताएं हैं।
2. अखंड रॉक-कट मंदिर:
   - पल्लव रॉक-कट वास्तुकला में अग्रणी थे।
   - मामल्लापुरम (महाबलीपुरम) अपने अखंड रॉक-कट मंदिरों और मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें प्रतिष्ठित "पांच रथ" और "अर्जुन की तपस्या" शामिल हैं।
3. संरचनात्मक मंदिर:
   - कांचीपुरम में कैलासनाथ मंदिर पल्लव संरचनात्मक मंदिर वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
   - इन मंदिरों की दीवारों पर जटिल नक्काशी और विस्तृत प्रवेश द्वार (गोपुरम) हैं।

4. गुफा मंदिर:
    - मामल्लपुरम जैसे गुफा मंदिरों को एकल चट्टानों से बनाया गया था और इनमें जटिल नक्काशीदार मूर्तियां और नक्काशी थी।
5. बाद की स्थापत्य शैलियों पर प्रभाव:
    - पल्लव वास्तुकला का चोल और विजयनगर शैलियों सहित बाद की द्रविड़ वास्तुकला शैलियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।
6. समुद्री व्यापार और वास्तुकला विनिमय:
    - समुद्री व्यापार में पल्लवों की भागीदारी के कारण दक्षिण पूर्व एशियाई संस्कृतियों के साथ वास्तुशिल्प विचारों का आदान-प्रदान हुआ।
    - पल्लवों द्वारा निर्मित मंदिरों ने कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे क्षेत्रों में मंदिर वास्तुकला को प्रभावित किया।

LEARNING MANTRAS